PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

HariBhoomi, Delhi
Friday, 6th November 2020; Page: 1
Width: 15.75 cms; Height: 27.26 cms; a3; ID: 13.2020-11-06.6

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए दुनिया करे कार्रवाई

◆ 'इंडिया सीईओ फोरम फॉर क्लाइमेट चेंज' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बोले केंद्रीय पर्यावरण मंत्री

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने गुरुवार को जलवायु परिवर्तन को एक बेहद महत्वपूर्ण मुद्दा बताते हुए कहा कि इसके समाधान के लिए वैश्विक कार्रवाई करने की आवश्यकता है। भारत इससे संबंधित पेरिस समझौते का सम्मान करता है। हमने निश्चय किया है कि हम 35 फीसदी की तीव्रता के हिसाब से जलवायु परिवर्तन के लिए जिम्मेदार कार्बन उत्सर्जन को कम करेंगे। जावड़ेकर ने यह जानकारी राजधानी में वर्चुअली आयोजित 'इंडिया सीईओ फोरम फॉर क्लाइमेट चेंज' नामक एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दी। इस अवसर पर टाटा, रिलायंस, अडानी ग्रुप, महिंद्रा, सन फार्मा और डॉ.रेड्डीज जैसी कई प्रतिष्ठित भारतीय कंपनियों के सीईओ ने भाग लिया।

भारत करेगा सहयोग

उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन को लेकर भारत बात कर रहा है। भारत कार्बन उत्सर्जन घटाकर जलवायु परिवर्तन के मामले में सुधार के लिए सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। हमने तय किया है कि इसके लिए हम अपनी कार्रवाई और योगदान के जरिए धरती के लगातार बढ़ रहे वैश्विक तापमान में 2 डिग्री की कमी लाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। लेकिन इसके साथ ही भारत जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर विश्व नेताओं और दुनिया के अन्य देशों के साथ बात करने और पेरिस समझौते की अनुपालना करने ▸▸ शेष पेज 5 पर